

# WELCOME



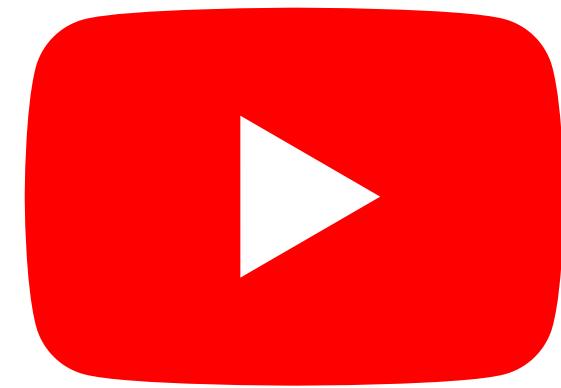
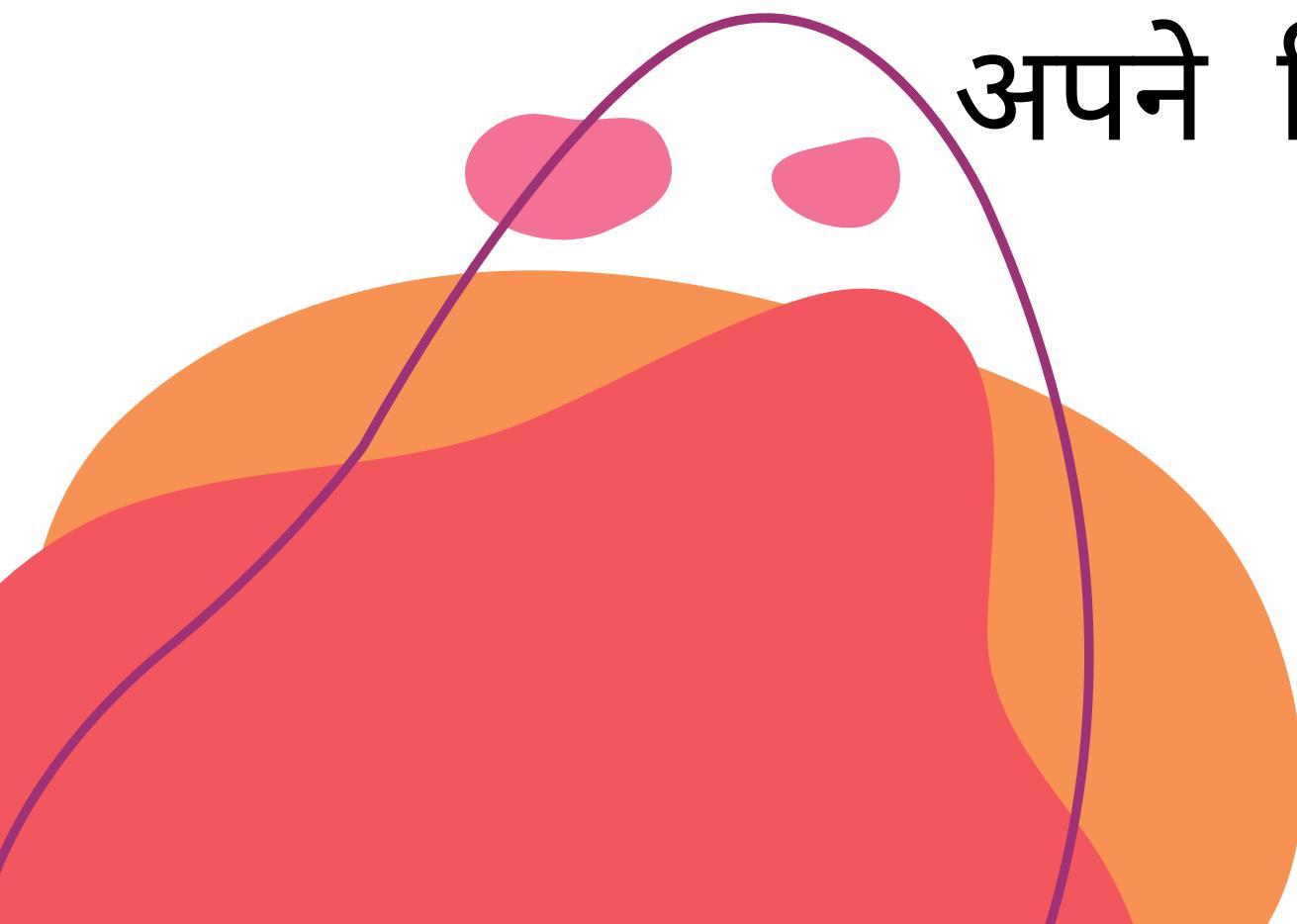
डॉ. विनोदानन्द झा,  
निदेशक, शोध एवं प्रशिक्षण निदेशालय,  
बिहार



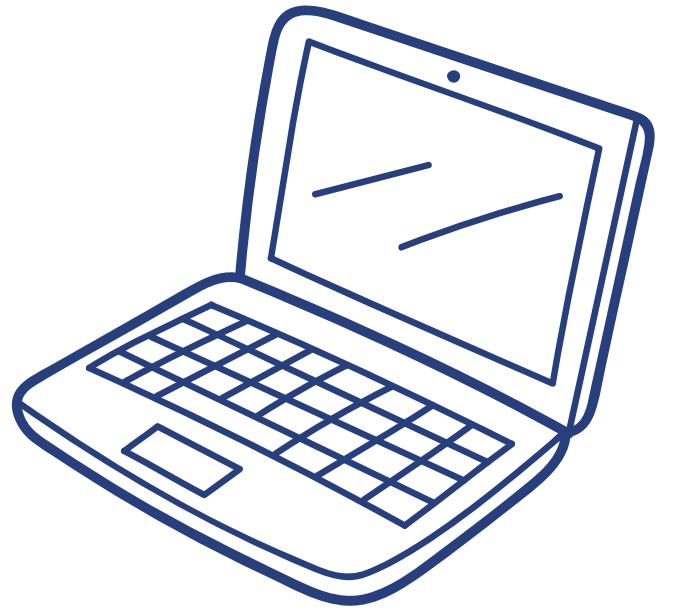
# परिचय

डॉ० विनोदानन्द झा वर्तमान में निदेशक, शोध एवं प्रशिक्षण, शिक्षा विभाग , बिहार सरकार के पद पर कार्यरत हैं | इन्होंने शिक्षा विभाग में लगभग 31 वर्ष की सेवा दी है, आपने सचिव , बिहार विद्यालय परीक्षा समिति तथा निदेशक, जन शिक्षा, बिहार के अलावा शिक्षा विभाग के विभिन्न प्रशासनिक पदों पर कार्य किया है , आपकी योग्यता एम.ए., बी. एड., एल. एल. बी., पी.एच. डी. है| आपने शिक्षा से सम्बंधित कई मौलिक पुस्तकों का लेखन और संपादन किया है | प्रेरणादायक लेखन एवं सम्बोधन के लिए आप जाने जाते हैं |

इन्होंने शिक्षण-प्रशिक्षण एवं समाज के भिन्न भिन्न पहलुओं से सम्बंधित विषयों पर यूट्यूब वीडियो बनाया है, जिसकी सूची साझा की जा रही है, आप भी इसे देखें और अपने विचार यूट्यूब के माध्यम से हमसे साझा करें |



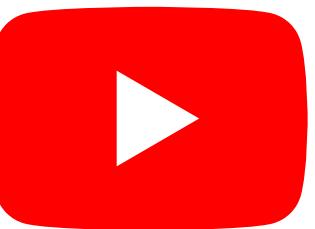
## पर उपलब्ध विडियो



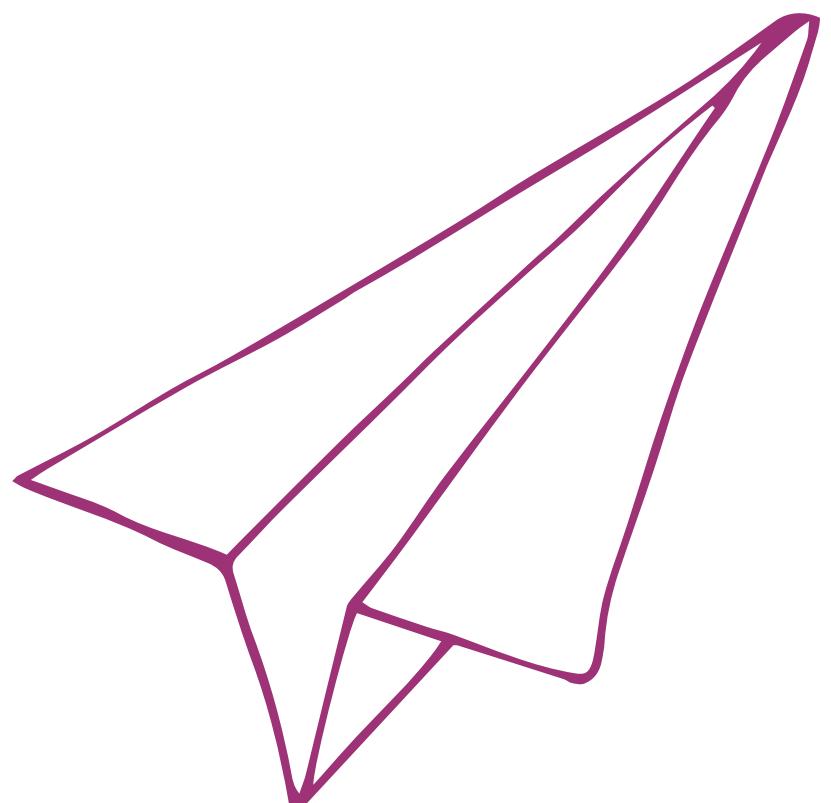
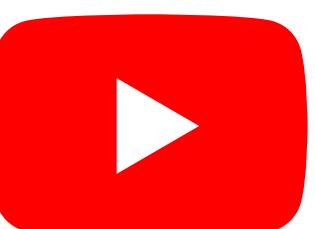
5

# शिक्षा शास्त्र

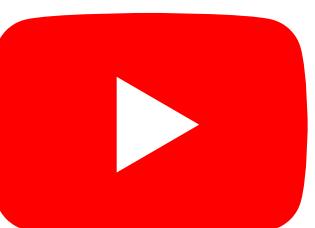
भगवान् बुद्ध के कान बड़े क्यों हैं-  
सूबोपलि भाग-1



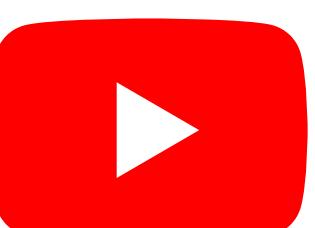
बोल बोल बोल, धीरे धीरे बोलः बोलना  
कैसे सिखाएँ- सूबोपलि भाग-2



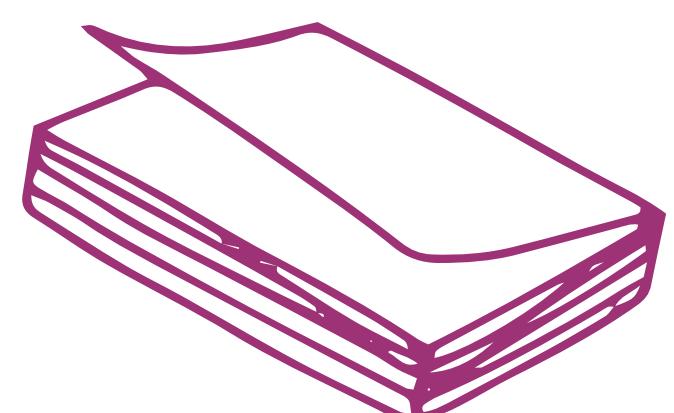
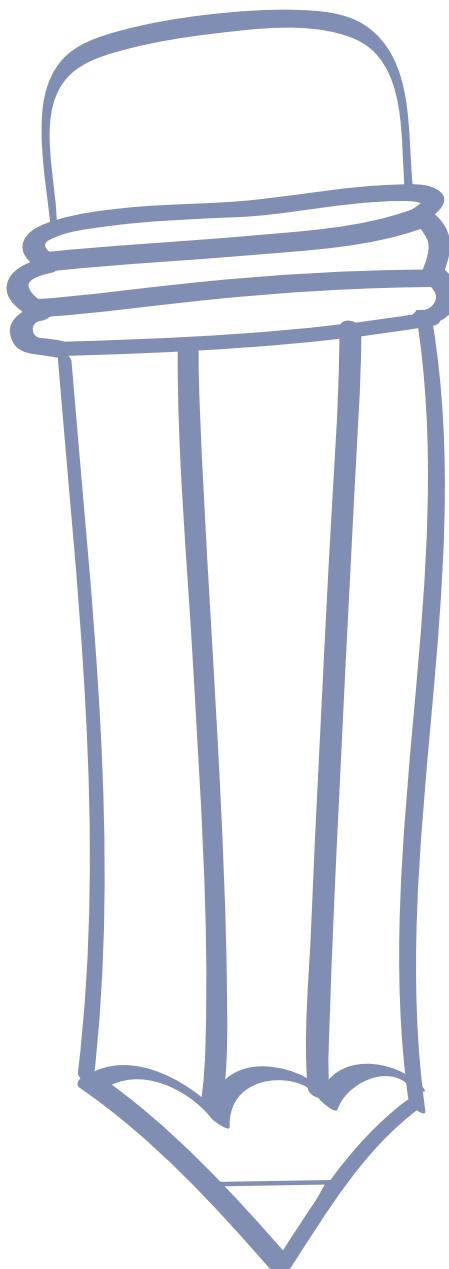
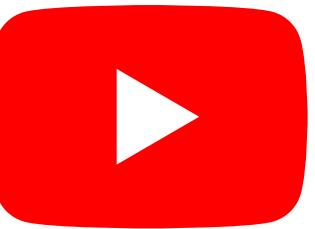
पढ़े सो पंडित होय- सूबोपलि  
भाग-3

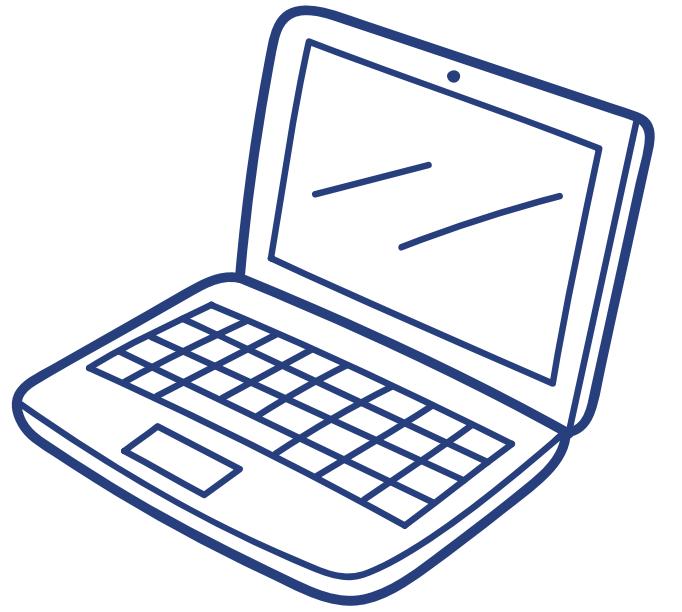


अपना भविष्य खुद लिखोः  
सूबोपलि भाग-4



21वीं सदी की शिक्षा के चार स्तंभ





5

# शिक्षा शास्त्र

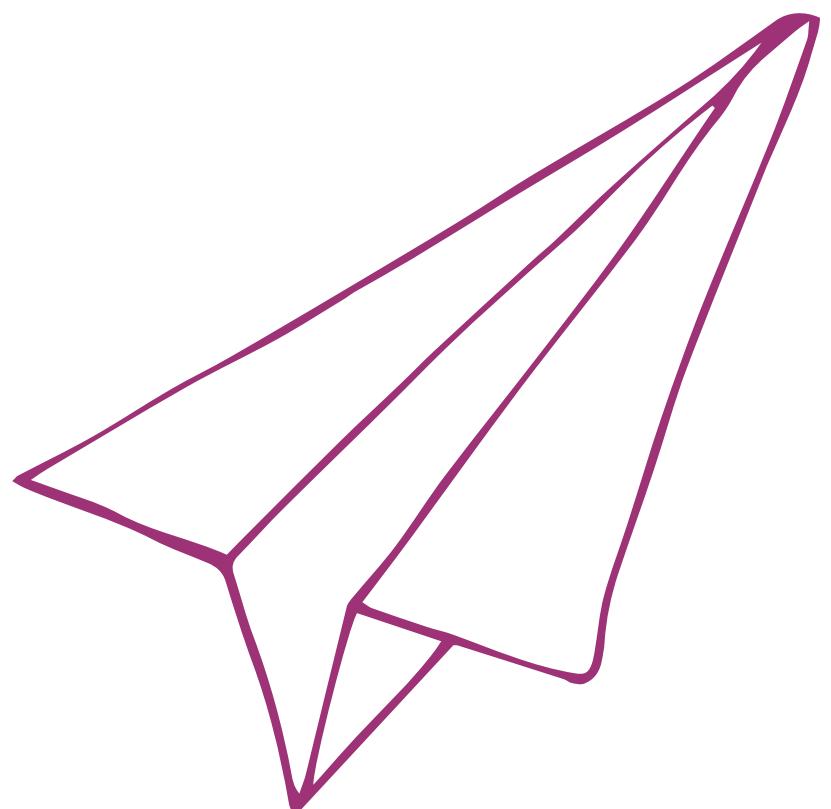
बच्चे नहीं, शिक्षक और  
अभिभावक होते हैं असफल



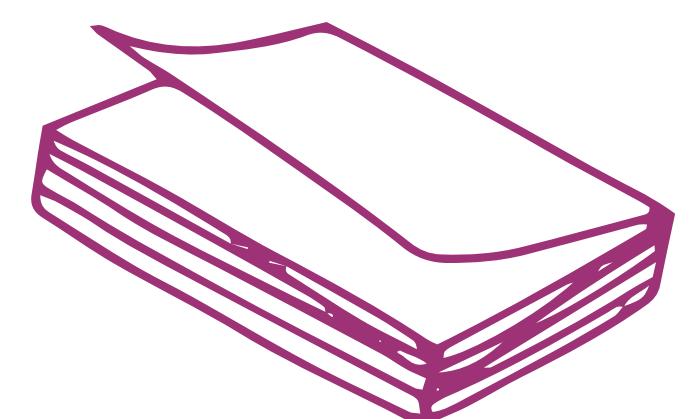
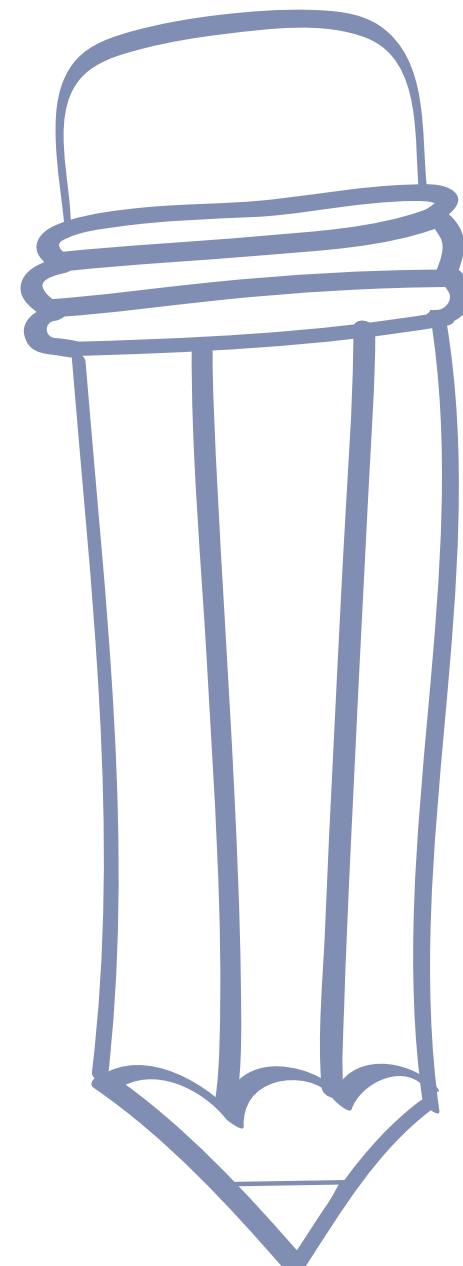
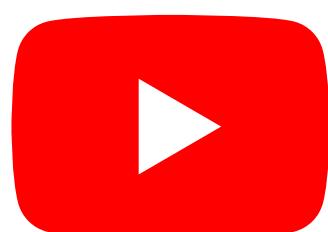
स्कूल से निकाला गया बच्चा बना  
जीनियस

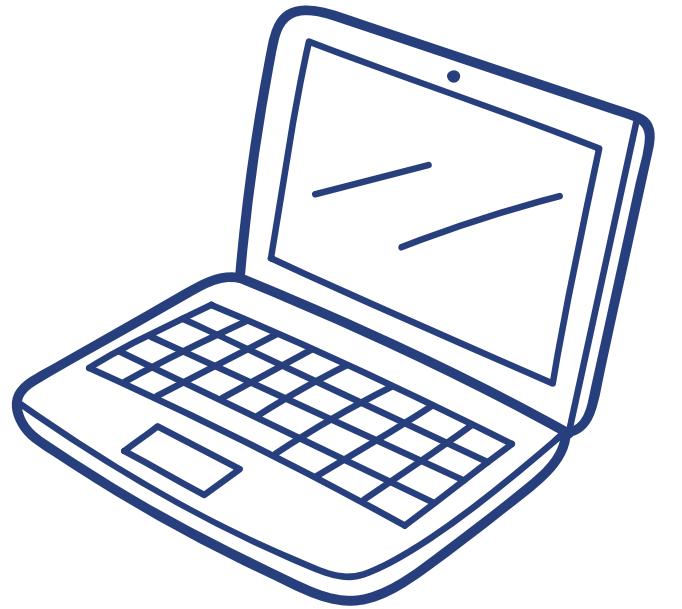


विज्ञान की उड़ान होती है  
आसान



क्या बच्चों ने कर दिया है नाक में  
दम- कोरोना लॉकडाउन विशेष

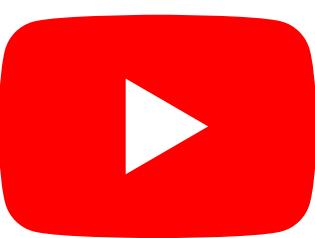




5

# शिक्षा शास्त्र

बच्चे "मार्किस्ट" हो रहे हैं- समझें  
बचपन को



राम काज करिबे को आतुर : उत्तर  
प्रदेश के 60 हजार प्रधानाध्यापकों को  
संबोधन

